MPS

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष)

जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्र के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
प्रथम वर्ष
अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण : सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।:

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2019 सत्र के लिए	31 मार्च 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2020	

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

एमपीएस–001 : राजनीतिक सिद्धान्त

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-001
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राजनीतिक सिद्धांत के प्रमुख उपयोग और महत्व की विवेचना कीजिए।

2. 20वीं शताब्दी में लोकतंत्र का अर्थ, स्वरूप और विकास की चर्चा कीजिए।

3. रॉल्स की सामाजिक न्याय की अवधारणा का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

4. संप्रभुता की अवधारणा और ऑस्टिन के इसके बहुलवादी आलोचना को समझाइये।

5. मार्क्सवादी समानता की अवधारणा का अर्थ और स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. क) अधिकार और कर्त्तव्य
   ख) लोकतंत्र पर मार्क्सवादी विचार

7. क) उदारवाद का उदय
   ख) आज के कल्याणकारी राज्य

8. क) ऐतिहासिक भौतिकवाद
   ख) राष्ट्रवाद का उदय और विकास

9. क) माओ के लोकतंत्र की धारणा
   ख) मार्क्सवादी और लोकतांत्रिक समाजवाद

10. क) राष्ट्रवाद के सिद्धांत
    ख) मानवाधिकार

एमपीएस–002 : अन्तरराष्ट्रीय संबंधः सिद्धांत एवं समस्याएँ

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-002
सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन के लिए किसी दो दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

2. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध में नारीवादी दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

3. वैश्विक पर्यावरणीय संकट के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय तर्क–वितर्क का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

4. अंतर्राष्ट्रीय संबंध में एक उभरती शक्ति के रूप में चीन की भूमिका का परीक्षण करें।

5. युद्धोपरांत काल में अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के बदलते स्वभाव को समझायें।

भाग – II

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिएः
   - क) क्षेत्रवाद के सैद्धान्तिक दृष्टिकोण
   - ख) अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद

7 क) वैश्विक निगमवाद की मुख्य विशेषताएँ
ख) मानवाधिकार का अन्तर्राष्ट्रीयकरण

8. क) उत्तर–दक्षिण विभाजन
   ख) मध्य–अमेरिका गणराज्यों का उदय

9. क) स्वदेशी आंदोलनों के प्रमुख मुद्दे
   ख) अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय और सभ्यता आंदोलन

10. क) द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
    ख) अन्तर्राष्ट्रीय संबंध में न्याय की अवधारणा

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारतीय लोकतंत्र में 73वें संवैधानिक संशोधन के महत्व पर चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों समालोचनात्मक समीक्षा कीजिएः
   क) योजना की अवधारणा
   ख) कराची संकल्प

3. भारत के राष्ट्र–राज्य के लिए नृजातीयता की मुख्य चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

4. मानव विकास के लिए 'मूलभूत न्यूनतम आवश्यकताओं के दृष्टिकोण' का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. ''राजनीतिक भागीदारी ने भारतीय लोकतंत्र को और अधिक समावेशी बना दिया है।'' इस कथन पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः
   क) लिंग और विकास
   ख) न्यायिक समीक्षा

7. क) प्रवासियों की विशेषताएँ
   ख) सतत् विकास के सिद्धांत

8. लोकतंत्र और विकास एक–दूसरे से कैसे संबंधित हैं? टिप्पणी कीजिए।

9. क) आर्थिक उदारीकरण का प्रभाव
   क) भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका

10. प्रक्रियात्मक तथा सत्तावाचक लोकतंत्र के बीच समानताएं और विभिन्नताओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

एमपीएस–004 : तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-004
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. उत्तर–औपनिवेशिक समाज में अविकसितता को समझने के एक प्रतिमान के रूप में 'निर्भरता सिद्धांत' का आलोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिए।

2. डेविड ईस्टन के 'सामान्य व्यवस्था सिद्धांत' के मूल विषेशताओं का वर्णन कीजिए।

3. राज्य को परिभाषित कीजिए। राज्यों की उत्पत्ति के मार्क्सवादी और 'सामाजिक अनुबंध' सिद्धांत के बीच अंतर का विश्लेषण कीजिए।

4. राष्ट्रवाद क्या है? राष्ट्रवाद के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

5. राज्यों के स्वरूप और कार्यप्रणाली पर वैश्वीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

भाग – II

6. क) गेब्रियल एलमंड का संरचनात्मक–कार्यात्मक दृष्टिकोण
   ख) दक्षिण–पूर्व एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण

7. क) गैर–उपनिवेश–विरोधी संघर्षों का स्वरूप
   ख) आधुनिक राज्य का गाँधीवादी दृष्टिकोण

8. क) अंतर्राष्ट्रीय संगठन और राज्य सम्प्रभुता
   ख) अफ्रीका के लिए संघर्ष

9. क) नवमार्क्सवाद
   ख) राज्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण

10. क) तुलनात्मक राजनीति में राजनीतिक अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण
    ख) लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिका